control. However, the Government is seized of the issue of high trade margins in the case of intravenous fluids in context of bringing some of the commonly used intravenous fluids under price control.

Production and Import of Ammonia

1116. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the number of Ammonia Plants in India are not sufficient, keeping in view the demand thereof in the country;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether huge amount is being spent for the import of Ammonia; and

(d) if so, the steps taken by Govern ment for the increased production of Ammonia in the country?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) to (c) Ammonia is an intermediate in the process of manufacture of nitrogenous fertilizers. Carbondioxide which is required for the production of urea, is a by-product of the ammonia plant. All urea plants are constructed with dedicated ammonia facilities. Any surplus ammonia from such plants may be used for manufacture of NP/NPK fertilizers and various chemicals.

The ammonia production capacity in India is about 118 lakh tonnes per annum. The production of ammonia during 1996-97 was used 102 lakh tonnes, of which about 94 lakh tonnes was used for manufacture of urea. About 8 lakh tonnes of indigenous ammonia was used for manufacture of DAP, NP/NPK fertilizers and Caprolactam. The imports of ammonia during 1996-97 were of the order of 8.45 lakh tonnes valued approximately at Rs. 640 crore.

(d) No license is normally required for setting up of an ammonia plant and any entrepreneur can set up an ammonia plant subject to the locational policy.

Two of the fertilizer conpanies, *viz.* Fertilisers and Chemicals Travancore Limited (FACT) and Gujaat State Fertilizers Company Limited (GIFC) have taken Ap projects for productiicn of 900 TPD and 1350 TPD of ammoiia respectively to substitute the imports otammonia and replace obsolete captive ca acities.

यूरिया और डी.ए.पी. के उत्पाद में कमी

1117. **श्री गोपालसिंह जी. सेमकी**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में पिछले छः महीनों के दौरान यूरिया, डी.ए.पी. के उत्पादन में निरन्तर गिरावाट आई है,

(ख) यदि हां, तो इस गिरावट का प्रतिशत कितना है और इसके लिए कौन से कारक जिम्मेदार है,

(ग) आगामी महीनों के दौरान उर्वरकों के उत्पन में कितने प्रतिशत गिरावट आने की संभावना है,

(घ) डी.ए.पी. और यूरिया की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है, और

(ङ) क्या सरकार इन उर्वरकों की आयात करने विचार रखती है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम. अरुणाचल): (क) से (ग) 1997-98 प्रथम छः माही में यूरिया और डी.ए.पी. के उत्पान में 1996-97 की समकालीना अवधि के दौरान उत्पादन की तुलना में क्रमशः 22.6% और 69.1% की बढ़ौतरी हुई है। 1997-98 की दूसरी छः माही में कर्वारक् के उत्पादन में भी गत वर्षी की समकालीन अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि होने का संभावना है।

से (ङ) यूरिया की खदेसी अपलब्धता और मांग के सोच के अन्तर को जो मूल्य संचलन तथा वितरण नियंत्रण के अधीन है, सरकारी खाध में आयातों के माध्यम से पूरा किया जाता है। अप्रैल, अक्तुबर, 1997 की अवधि के दौरान , देश में यूरिया की पर्याप्त अपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 18.5 लाख टन यूरिया का आयात किया गया था। खरीफ, 1997 अथवा चालू रबी मौसम के दौरान यूरिया की कमी के बारे में कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

डी.ए.पी जो नियंत्रणमुक्त है की उपलब्धता बाजार शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है। खरीफ, 1997 के दौरान, में तेजी के बावजूद भी डी.ए.पी. की उपलब्धता संतोषजनक रही जिसके लिए भारी घरेलू उत्पादन और नीजि व्यापार खाते में पर्याप्त आयात को धन्यवाद है। चालू रबी मौसम के दौरान डी.ए.पी. की तेज बिक्री हुई है और कुछ राज्यों में अस्थाई और स्थानीकृत कमियां रिपोर्ट हुई है। डी.ए.पी. का उत्पादन लक्ष्य से अधिक रहा है। इस समय सरकार द्वारा डी.ए.पी. का आयात करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

यूरिया के आवात में राज्य व्यापार निगम द्वारा भ्रष्टाचार

1118. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में कुल कितनी मात्रा में यूरिया और अन्य उर्वरकों का आयात किया गया है इनका अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य क्या है,

(ख) देश में आयात किए जा रहे यूरिया की विशेषताएं क्या है,

(ग) क्या राज्य व्यापार निगम द्वारा यूरिया के आयात में लगातार भ्रष्टाचार अपनाया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप आयात अत्यत संदेहजनक बताई जा रही है, और

(घ) यदि हां, तो क्या इस संदर्भ में राज्य व्यापार निगम, निदेशक (विपणन को दोषी पाया गया और उसकी भूमिका अत्यन्त संदेहजनक बताई जा रही है, और

(ङ) यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है?

रसायान और उर्वरक मंत्री (श्री एम. अरूणाचलम): (क) यूरिया एक मात्र उर्वरक है जिसका मूल्य एंव चितरण सरकार के नियंत्रण में है। गत तीन वर्षों के दौरान आयात की गई यूरिया की मात्रा नीचे दी गई ,

वर्ष	मात्रा (लाख टनों में)	अमेरिकी डाल में मूल्य (मिसिन)
1994-95	28.70	512.38
1995-96	37.82	874.41
1996-97	23.28	472.70

यूरिया के अलावा, आयात किए जा रहे अन्य प्रमुख उर्वरक डाई अमोनियम फास्फेट, (डी.ए.पी.) तथा म्यूरिएट आफ पोटाश (एम.ओ.पी.) है। डी.ए.पी. और एम.ओ.पी. जो अनियंत्रित उर्वरक है के आयात व्यापार खाते में मुक्त रूप से किए जा रहे हैं क्योंकि उन्हें क्रमशः17.9.1992 और 17.6.1993 से असरणीवद्ध कर दिया गया है। यह विभाग उनके आयात की मात्रा तथा मूल्य का रिकार्ड नहीं रख रहा है।

(ख) मांग और स्वदेशी उपरलब्धता के बीच के अन्तर को पूरा करने के लिए यूरिया का आयात किया जाता है। यह आयात इस समय तीन नामित अभिकरणों अर्थात् एम.एम.टी.सी, लि., स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन (एसटीसी) और इंडियन पोटाश लि. (आईपीएल) के माध्यम से सरणीबद्ध है। वे देश जहां से गत तीन वर्षों के दौरान यूरिया आयात किए गए बंगला देश बुल्गारिया। क्रोशिया, सीआईएस, जर्मनी इंडोनेशिया, कुवैत, लिबिया, पाकिस्तान कातार रोमानिया, साउथ अरेबिया, यूएई, यूगोस्वलाविया आदि है।

(ग) जी, नहीं। एस.टी.सी. सरकार द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के अनुसार यूरिया की खरीद करता है।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Drop in Net Profit of NFCL

1119. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether NFCL has announced a seven per cent drop in net profit for six months period, ending September 1997 as against correspoading six months of the previous year;

(b) if so, the details thereof and reasons therefor;

(c) whether NFCL, other income also stood lower at Rs. 11.69 crore as compared to Rs 12.32 crore earned previously; and

(d) if so, the reasons therefor and how Government propose to make good the losses?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) and (b) Nagarjuna Fertilizers and Chemicals Limited has indicated that the drop in its net